हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 16 मार्च 2026

11 एरिया सभा में बैठने की भी नहीं करवाई व्यवस्था

12 बच्चों को शारीरिक रूप से मजबूत और चरित्रवान बनाएं

खबर संक्षेप

202 ग्राम गांजा सहित एक आरोपी पकड़ा

झज्जर। सीआईए की एक टीम द्वारा मादक पदार्थ गांजा सहित एक आरोपी को पकड़ा गया है। सीआईए प्रभारी कर्मवीर ने बताया कि पुलिस की एक टीम शहर थाना क्षेत्र में तैनात थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि बलबीर निवासी बेरी गेट नशीला पदार्थ बेचने का अवैध धंधा करता है। जो नशीला पदार्थ गांजा बेचने की फिराक में अपने घर के पास गली में खड़ा हुआ है। इस पर कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक मुकेश कुमार की टीम ने एक व्यक्ति को शक की बिनाह पर काबू किया। आरोपी की नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ, जिसका वजन करने पर 202 ग्राम पाया गया। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज करते हुए आगामी कार्रवाई अमल में लाई गई है।

जिला व उपमंडल स्तर पर आज समाधान शिविर

झज्जर। सोमवार को जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर लघुसचिवालय परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में किया जाएगा। जिसमें डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की शिकायतें व समस्याएं सुनेंगे।

डॉ. अंजू अग्रवाल फिर बनी प्रदेश सचिव

बहादुरगढ़। अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने डॉ. अंजू अग्रवाल को प्रदेश महिला इकाई में फिर से प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। डॉ. अंजू अग्रवाल ने संगठन के प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला, महिला प्रदेशाध्यक्ष सुशीला सर्राफ, श्रीनिवास गुप्ता व सतनारायण अग्रवाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगी। संगठन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता और सेवा कार्यों को गति दी जाएगी।

जीव प्रेमियों ने दी पिल्ला अपंग होने व जबरन कुत्तों को स्थानांतरित करने की शिकायत, पुलिस ने की कार्रवाई

सोसाइटी से 12 कुत्ते पकड़कर दूर छोड़ने पर मैनेजर व एजेंसी मालिक पर केस

35 किलोमीटर दूर ईंट भट्ठे से बरामद किए 9 कुत्ते व पिल्ले, तीन लापता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

ओमैक्स हाउसिंग सोसाइटी के परिसर में अवैध तरीके से कुत्तों को स्थानांतरित करने व एक पिल्ले को अपाहिज करने के मामले में स्थानीय पुलिस ने संज्ञान लिया है। जीव प्रेमियों की शिकायत पर सेक्टर-6 थाने में मैनेजमेंट कंपनी के मैनेजर तथा एजेंसी मालिक के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम 38, 11 (1) ए व बीएनएस 325 की धाराओं के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है।

दरअसल, चंद दिनों पहले ओमैक्स परिसर से कुत्तों को जबरन उठाए जाने की सूचना मिली तो जीव प्रेमी हरकत में आए। उन्होंने कुत्ते रिलोकेट करने की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए एतराज जताया। इसके बाद एकत्र होकर थाने में शिकायत दी। शिकायतकर्ता सचिन का कहना है कि ओमैक्स के जी3 और जी4 में 11 मार्च की दोपहर को 12 कुत्तों व पिल्लों को पिंजरे में डालकर करीब 35 किलोमीटर दूर छोड़ दिया गया। इस कार्यशैली का विरोध किया तो भी नहीं माने। मामले में सामने आया कि शान्वी एस्टेट मैनेजमेंट सर्विस के मैनेजर विक्रम यादव के कहने पर मंकी कैचर एनिमल रेस्क्यू के स्वामी नरेश कुमार ने इस कार्य को अंजाम दिया। इस क्रूरता भरे रवैये के चलते दो माह का एक पिल्ला भी अपंग हो गया। रिलोकेट किए गए 9 डॉग्स व पिल्लों को अंशु, मंजू, कविता, पारुल, शालू, पीयूष, मिन्नी आदि द्वारा 35 किलोमीटर दूर ईंट भट्ठे के पास जाकर तीन दिन की कड़ी मशक्कत के बाद सकुशल बरामद कर लिया गया। अन्य तीन नहीं मिले। जीव प्रेमी मनजीत, एडवोकेट नवीन, पीटा इंडिया क्रुएल्टी रेस्पांस को-ऑर्डिनेटर एडवोकेट इशानी आदि ने कहा कि किसी भी जीव को उसके मूल स्थान से जबरन कहीं दूर छोड़ना न केवल अमानवीय है बल्कि कानून जुर्म भी है। टेंडर के बाद नियमों के आधार पर केवल नसबंदी की जा सकती है। आरोपियों द्वारा की मनमानी व क्रूरता पूर्ण कृत्य पर सख्त कार्रवाई की जाए। उधर, सेक्टर-6 थाना पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है।

बहादुरगढ़। करीब 35 किलोमीटर दूर जाकर बरामद किए गए पिल्ले।

बहादुरगढ़। स्थानांतरित करने के लिए पिंजरे में भरे गए डॉग्स।

विभाग की अपील - अनावश्यक रूप से सिलेंडर के लिए मारामारी न करें

कालाबाजारी रोकने के लिए दुकानों पर छापे मारकर पांच घरेलू गैस सिलेंडर किए जब्त

- दुकानदारों को कड़ी चेतावनी – घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करना नियमों के विरुद्ध, आगे भी जारी रहेगी छापेमार कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सिलेंडर की किल्लत के बीच कालाबाजारी और दुरुपयोग की आशंकाओं को देखते हुए खाद्य आपूर्ति विभाग ने छापेमारी अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में रविवार को एएफएसओ सपना के नेतृत्व में विभागीय टीम ने शहर में करीब एक दर्जन दुकानों व प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर जांच की। जांच के दौरान दो स्थानों पर घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग पाया गया।

रोहतक-दिल्ली रोड पर ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के पास एक फास्ट फूड के खोखे से दो घरेलू सिलेंडर बरामद किए, जबकि महावीर पार्क में नहर के पास स्थित एक जनरल स्टोर से तीन सिलेंडर मिले। विभाग की टीम ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए बरामद किए गए पांचों सिलेंडर को राम गैस एजेंसी में जमा करवा दिया। छापेमारी करने वाली टीम में इंस्पेक्टर धर्मपाल शर्मा, श्रीकांत सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे। अधिकारियों ने दुकानदारों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करना नियमों के विरुद्ध है। यदि कहीं भी घरेलू सिलेंडर का दुरुपयोग या अवैध भंडारण पाया गया तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि बहादुरगढ़ में सभी गैस एजेंसियों पर सिलेंडर उपलब्ध हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से सिलेंडर के लिए मारामारी न करें। गैस एजेंसियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। कालाबाजारी की किसी भी आशंका को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी गई है और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य आपूर्ति विभाग ने दुकानों में की जांच

झज्जर। घरेलू गैस की कालाबाजारी रोकने तथा आम उपभोक्ताओं तक एलपीजी गैस की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रविवार को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा छापेमारी की गई। सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी अमरजीत सिंह के नेतृत्व में विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने लगभग एक दर्जन प्रतिष्ठानों और मिष्ठान भंडार की दुकानों की जांच की। चेकिंग के दौरान गैस सिलेंडरों के उपयोग, रजिस्टर और स्टॉक का भी अवलोकन किया गया। टीम द्वारा की गई जांच में किसी भी प्रतिष्ठान पर घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग अथवा अन्य प्रकार की अनियमितता सामने नहीं आई। एएफएसओ अमरजीत सिंह ने बताया कि सरकार और जिला प्रशासन के निर्देशानुसार घरेलू गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए नियमित रूप से चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर केवल घरेलू उपयोग के लिए निर्धारित है और इनका व्यावसायिक उपयोग करना नियमों के विरुद्ध है। यदि किसी प्रतिष्ठान पर घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान निरीक्षक रंजन यादव, अजय राठी, उपनिरीक्षक अजय कबलाना सहित अन्य भी मौजूद रहे।

मौसम ने करवट बदली

4.8 एमएम बारिश से गिरा तापमान, किसानों को चिंता

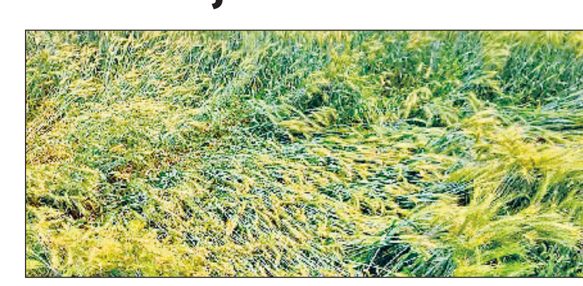

झज्जर। बारिश के कारण खेतों में खराब हुई गेहूं की फसल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार देर रात से अलसुबह तक रूक-रूककर बारिश होती रही। जिसके कारण कई क्षेत्रों में बारिश के कारण गेहूं की फसल को काफी नुकसान हुआ। किसानों का कहना है कि बरसात गेहूं की फसल को नुकसान हुआ है। अगर बारिश के साथ तेज हवाएं चलती हैं तो किसानों को और अधिक नुकसान होगा। वहीं कुछ क्षेत्रों में सरसों की कटाई भी की जा रही है। ऐसे में बारिश से सरसों की फसल को भी नुकसान होगा। मौसम में बदलाव के बीच तापमान में गिरावट दर्ज की गई। रविवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी एक दो दिनों में मौसम परिवर्तनशील रहने का अनुमान लगा रहे हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार झज्जर में 4.8 एमएम, बादली में दो एमएम, बेरी 2.3 एमएम और बहादुरगढ़ में तीन एमएम बारिश दर्ज की गई।

झज्जर। आंबेडकर चौक पर हुए जलभराव के बीच गुजरता हुआ व्यक्ति

जलभराव से बनी परेशानी : हल्की बरसात के बावजूद शहर के अंबेडकर चौक, सीताराम गेट, भट्ठी गेट क्षेत्र में जलभराव हो गया। इसके कारण वाहन चालकों व राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थिति यह रही कि आंबेडकर चौक और भट्ठी गेट क्षेत्र से पानी की निकासी कर दी गई, लेकिन सीताराम गेट में पानी की निकासी नहीं की गई। लोगों का कहना है कि सीताराम गेट क्षेत्र से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी स्कूल बसों में बैठते हैं, सुबह बसों में बैठने में उन्हें काफी परेशानी होगी।

बरसात से 36 डिग्री से 30 पर आया पारा

बहादुरगढ़। इलाके में मौसम ने एक बार फिर करवट ली। रविवार तड़के बादलों की गरज और बिजली कड़कने के साथ हल्की बारिश हुई। कुल तीन एमएम बारिश दर्ज की गई, जिससे तापमान में गिरावट आई। हालांकि सरसों की फसल में अभी ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। दरअसल, मार्च माह की शुरुआत से ही तापमान लगातार बढ़ रहा था और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, लेकिन बीते तीन दिनों से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। सुबह-शाम चल रही ठंडी हवा के कारण तापमान में करीब पांच डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। रविवार को बारिश के बाद कुछ समय तक बादल छाए रहे, लेकिन सुबह करीब दस बजे बाद धूप खिल गई। दिन का अधिकतम तापमान करीब 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

विधायक वत्स के भतीजों की शादी में पहुंचे सीएम सैनी

- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली भी आए, राज्यसभा चुनाव से ठीक पहले झज्जर में बढ़ी राजनीतिक हलचल
- मुख्यमंत्री ने मीडिया से दूरी बनाए रखी और किसी भी टिप्पणी से परहेज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हरियाणा में सोमवार को होने वाले राज्यसभा चुनाव से ठीक पहले रविवार को झज्जर जिला राजनीतिक अटकलों का केंद्र बन गया। मौका था बादली से कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स के भतीजों के विवाह समारोह का, जहां मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की मौजूदगी ने सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी। इन्होंने कार्यक्रम में पहुंच नवदंपति को आशीर्वाद दिया और विधायक के परिवार से भी मुलाकात की। हालांकि, इस दौरान मुख्यमंत्री ने मीडिया से दूरी बनाए रखी और किसी भी टिप्पणी से परहेज किया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की पत्नी आशा हुड्डा, पूर्व विधायक राजेंद्र जून, जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, पूर्व विधायक राव दान सिंह, पूर्व विधायक नरेश कौशिक, मनीष बंसल व वीरेंद्र दरोगा सहित कई अन्य हस्तियों ने शिरकत की।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान सीएम सैनी से चर्चा करते हुए विधायक कुलदीप वत्स।

बस की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

झज्जर। क्षेत्र के गांव पाटौदा में एक तेज रफ्तार बस ने स्कूटी सवार को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में पाटौदा निवासी नितिन पुत्र रामेहर ने बताया कि बीती 12 मार्च की शाम करीब आठ बजे जब वह स्कूटी में तेल डलवाने कुलाना जा रहा था तो सामने से आ रही एक बस ने उसे टक्कर मार दी। इसके बाद राहगीरों द्वारा उसे उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। यहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया।

यूपीएससी पास डॉ. अंकिता सिवाच का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

यूपीएससी परीक्षा में 442वीं रैंक हासिल करने वाली क्षेत्र के गांव पहाड़ीपुर की बेटी डॉक्टर अंकिता सिवाच जब अपने पैतृक गांव पहुंची तो ग्रामीणों द्वारा उसका पगड़ी पहनाकर व नोटों की माला से स्वागत किया। मास्टर रणबीर सिंह की पुत्री डॉ. अंकिता की इस उपलब्धि पर ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। आयोजित सम्मान समारोह में ग्रामीणों ने कहा कि डॉ. अंकिता सिवाच की सफलता पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा है। बच्चों और युवाओं को दिए अपने संदेश में डॉक्टर अंकिता ने कहा कि बच्चों को अपने माता-पिता और बुजुर्गों के साथ समय जरूर बिताना चाहिए, क्योंकि जीवन की सबसे बड़ी शिक्षा घर से ही मिलती है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील की। इस मौके पर ग्राम सरपंच सुनील सिवाच, कांग्रेस नेता विक्रम कादियान, गोधड़ी गांव के सरपंच मनबीर, राजेंद्र सरपंच अच्छेज, संदीप सरपंच सफीपुर, एडवोकेट राजेंद्र सोलंकी, कुलबीर हुड्डा, प्रिंसिपल श्रीभगवान कादियान सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

समस्या | अमेरिका-इजराइल व ईरान युद्ध का बहादुरगढ़ के उद्योगों पर दिखाई देने लगा असर

कच्चे माल की कीमतों में आया उछाल, उद्यमी परेशान

- 50 से 100 रुपये किलोग्राम तक कच्चे माल के दामों में हुई बढ़ोतरी
- युद्ध लंबा चला तो कई उद्योगों पर आ सकता गंभीर संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध के बाद वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पड़े उसके असर की आंच अब बहादुरगढ़ के छोटे-बड़े उद्योगों तक महसूस की जाने लगी है। कच्चे माल और केमिकल की सप्लाई प्रभावित होने से इनके दाम अचानक बढ़ गए हैं, जिससे उद्योग भी परेशानी में आ गए हैं। गैस की कीमतों में अचानक भारी बढ़ोतरी और आपूर्ति में आई कमी ने भी उद्योगों की कमर तोड़ दी है। यदि युद्ध लंबा चला तो कई उद्योग गंभीर आर्थिक संकट में फंस सकते हैं।

बता दें कि बहादुरगढ़ के मॉडर्न इंडस्ट्रियल एस्टेट (एमआईई), एचएसआईआईडीसी सेक्टर-16, फुटवियर पार्क और आसपास के क्षेत्रों में 3000 से अधिक बड़ी, मध्यम और छोटी इकाइयां कार्यरत हैं। इन फैक्ट्रियों में दो लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। अकेले फुटवियर की बात करें तो पूरे देश के नॉन लैदर फुटवियर उत्पादन में बहादुरगढ़ के जूता उद्योग की 63 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यहां पर 2 हजार से ज्यादा फुटवियर यूनिट चल रही हैं। जिनमें प्रतिदिन 80 लाख से ज्यादा जूतों का निर्माण होता है। खाड़ी देशों से होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई में कमी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों पर तनाव के कारण बहादुरगढ़ के उद्योग पर भी विपरीत असर पड़ना शुरू हो गया है। युद्ध की वजह से मालवाहक जहाजों का किराया और बीमा लागत बढ़ गई है, जिससे कच्चे माल की कीमतों में तेज उछाल आया है। यह संकट सिर्फ फैक्ट्रियों और कारोबार तक सीमित नहीं है। इन उद्योगों से जुड़े हजारों कारीगर, मजदूर, छोटे व्यापारी और उनके परिवार भी इसकी चपेट में आ सकते हैं।

बहादुरगढ़। एक फैक्ट्री में हो रहे उत्पादन पर नजर रखते श्रमिक।

ईवा का दाना 117 से 225 पहुंचा

बीसीसीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास आनंद सोनी ने बताया कि उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक दाने के दाम में अचानक बड़ी बढ़ोतरी हो गई है। कुछ समय पहले ईवा का दाना 117 रुपये प्रति किलोग्राम था, लेकिन अब 225 रुपये तक पहुंच गया है। एलपीजी की कीमत में बढ़ोतरी व अन्य ईंधन महंगे होने के आसार से सिंथेटिक कपड़े, यूरिया, प्लास्टिक उत्पाद समेत सभी औद्योगिक उत्पाद महंगे होने के आसार हैं।

पीवीसी 80 से 130 रुपये किलो हुई

कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष प्रवीण गर्ग ने बताया कि युद्ध से पहले पीवीसी करीब 80 रुपये प्रति किलो मिलता था, जो अब बढ़कर करीब 130 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है। इसी तरह पाइप बनाने में इस्तेमाल होने वाला एलएलडीपी करीब 50 रुपये प्रति किलो महंगा हो गया है। कच्चे माल की कीमत बढ़ने से उनके उत्पाद महंगे हो रहे हैं, जिससे बाजार में प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो रही है।

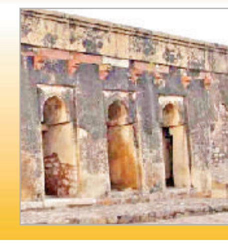

गुजरी महल

अबीर- हरियाणा में कई प्रसिद्ध ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं। हरियाणा की ऐतिहासिक जगहें सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विश्व भर में फेमस है। हिसार में मौजूद गुजरी महल एक प्राचीन और प्रमुख ऐतिहासिक जगह है। इस महल का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था। बता दें कि ताजमहल की तरह ही ये भी प्रेम की निशानी है। दरअसल, फिरोजशाह तुगलक ने अपनी प्रेमिका गुजरी के लिए इस महल का निर्माण करवाया था। इस महल के अंदर दीवान-ए-आम और बरदारी भवन भी प्रसिद्ध हैं।

लोक संस्कृति के प्रहरी थे महाशय पालेराम

महाशय पालेराम की यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी।

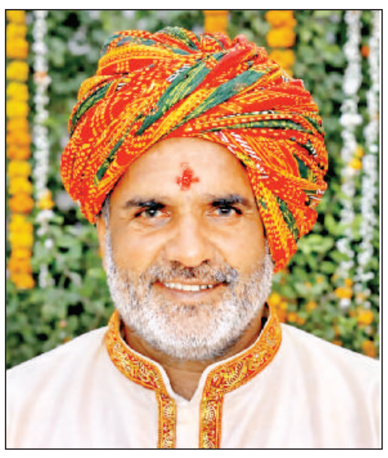

कलाकार

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की धरती सदैव से वीरों, संतों और लोककलाकारों की जन्मभूमि रही है। इस मिट्टी की खुशबू में जहां शौर्य की गाथाएं रची-बसी हैं, वहीं लोकगीतों की मधुर धुनें भी इसकी आत्मा को जीवंत बनाए रखती हैं। इसी समृद्ध लोकपरंपरा के एक उज्ज्वल नक्षत्र थे महाशय पालेराम। महाशय पालेराम का जन्म 15 मार्च 1954 को हरियाणा के सोनीपत जिले के ऐतिहासिक गांव हलालपुर में एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम चंदराम और माता का नाम किशनी देवी था।

उनका मूल नाम धर्मपाल था, परंतु स्नेहवश लोग उन्हें 'पाले' कहकर पुकारते थे। कालांतर में यही नाम उनकी पहचान बन गया। बचपन से ही उनके मन में संगीत के प्रति गहरी ललक थी। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े पालेराम के जीवन में लोकगीतों, भजनों और रागनियों का वातावरण स्वाभाविक रूप से मौजूद था। गांव की चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में गूंजने वाले भजनों और रागनियों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। संगीत के प्रति विशेष अभिरुचि के कारण उनका मन पढ़ाई में कम ही लगता था, इसलिए उन्होंने आठवीं कक्षा में ही स्कूल छोड़ दिया। पढ़ाई छोड़ने के उपरांत उन्होंने अपने पिता के कार्यों में हाथ बंटाना आरम्भ कर दिया। उन दिनों हलालपुर में जाने-माने गायक बलबीर सिंह के बहुत कार्यक्रम होते थे। जब भी बलबीर सिंह का उनके गांव में आगमन होता, बालक पालेराम का अधिकांश समय उन्हीं के साथ व्यतीत होता। बालक पालेराम के संगीत प्रेम को देखकर बलबीर सिंह ने उन्हें अपना शिष्य बना लिया। इसके बाद पालेराम ने काफी समय तक अपने गुरु के प्रति श्रद्धावनत हो पूर्ण समर्पण के साथ शिक्षा ग्रहण की और संगीत की गहराइयों को आत्मसात किया।

उनका ध्येय मात्र एक लोकगायक बनना नहीं, वरन् एक लोकसाधक बनना था, जिसे कालांतर में उन्होंने बखूबी सिद्ध किया। तदुपरान्त पालेराम ने सन् 1973 में अपनी मंडली बनाकर गायन की शुरुआत की। उनकी गायकी में हरियाणवी बोली की मिठास, लोकजीवन की सादगी और भावनाओं की गहराई स्पष्ट झलकती थी। वे सामाजिक विषयों को भी अपने गीतों में प्रमुखता से स्थान देते थे। उनके गीतों में नैतिकता, भाईचारा, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों का संदेश विद्यमान होता था। इन विशेषताओं के साथ-साथ उनकी हास्य कला अद्भुत थी। इसी कारण वे शीघ्र ही हरियाणा के मूर्धन्य लोक गायकों की श्रेणी में शामिल हो गए। उनके मंच पर आते ही श्रोताओं के चेहरे खिल उठते थे। जब वे रागनी गाते थे, तो श्रोता मंत्रमुग्ध होकर आनंद से झूमने लगते थे। उनकी यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी। उनके पास गायन की सम्मोहक शैली का नायाब जादू था।

उनकी डोल्ली और उनके अंगों की विशिष्ट थिरकन के लोग दीवाने थे। यही कारण है कि उनकी कला ने न केवल जनमानस का मनोरंजन किया, बल्कि लोक संस्कृति को भी समृद्ध किया। धीरे-धीरे उनकी लोकप्रियता हरियाणा की सीमाओं को लांघकर पड़ोसी राज्यों तक फैलने लगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के अनेक स्थानों पर अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जहां भी वे गाते, वहां जनसैलाब उमड़ पड़ता था। उनकी गायकी में लोकसंस्कृति की शुद्धता और गरिमा स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती थी। वे हमेशा शुद्ध हरियाणवी रागनियां गाते थे और कभी भी फूहड़ या अश्लील गीतों का सहारा नहीं लेते थे। उनका मानना था कि लोकसंगीत समाज का दर्पण होता है और इसे मर्यादित रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। वे अक्सर कहा करते थे कि ऐसे गीत गाने चाहिए जिन्हें पूरा परिवार एक साथ बैठकर सुन सके। इसी कारण उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अश्लील गीत नहीं गाए और इस प्रवृत्ति का खुलकर विरोध भी किया। उनके अनुसार कलाकार का कर्तव्य केवल तालियां बटोरना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देना भी होता है। हरियाणवी रागनी गायन की परंपरा के उस स्वर्णिम काल में अनेक सिद्धहस्त कलाकार अपनी कला का परचम लहरा रहे थे। राजकिशन अगवानपुरिया, मास्टर सतबीर भैंसवालिया, जगबीर कारोरिया, बाऊराम, ब्रह्मानंद, चंदन, बाली शर्मा, रमेश कलावड़िया तथा रणबीर बडवसनिया जैसे अनेक प्रतिष्ठित नाम उस समय रागनी मंच को आलोकित कर रहे थे। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकारों के मध्य महाशय पालेराम दहिया ने भी अपने असाधारण गायन कौशल और सशक्त प्रस्तुति के बल पर विशिष्ट पहचान स्थापित की। इन सभी ख्याति प्राप्त फनकारों के साथ उनके अनेक रंगकाट मुकाबले हुए, जिनमें उन्होंने कई बार अपनी कला की विजय पताका फहराते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। यद्यपि उनके मुकाबले लगभग प्रत्येक कलाकार के साथ अत्यंत सफल और लोकप्रिय होते थे, तथापि मास्टर सतबीर भैंसवालिया के साथ उनकी जोड़ी विशेष रूप से दर्शकों के हृदय में बस गई थी। यह अद्वितीय संगति लगभग चार दशकों तक निरंतर मंचों पर अपना जलवा दिखाकर श्रोताओं को रोमांचित करती रही। वह समय ऐसा था, जब उनके प्रशंसकों के बीच इस जोड़ी की लोकप्रियता चरमोत्कर्ष पर थी। ग्रामीण अंचलों में लोग अपने बच्चों के विवाह जैसे शुभ अवसरों पर इनके कार्यक्रम को अनिवार्य मानते थे। इतना ही नहीं, यदि नियत तिथि पर यह युगल उपलब्ध न हो पाता, तो अनेक परिवार अपने बच्चों के विवाह की तिथि तक परिवर्तित कर देते थे, ताकि इन दोनों महान लोकगायकों की सुरमयी प्रस्तुति उनके उत्सव को गौरवान्वित कर सके। महाशय पालेराम के जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि उन्होंने कभी धन को अपनी प्राथमिकता नहीं बनाया। जो भी मान-सम्मान और पारिश्रमिक उन्हें मिलता, उसे वे सहज भाव से स्वीकार कर लेते थे। उनका मानना था कि "कला को बेचा नहीं जाता, कला का प्रचार किया जाता है।" इस विचारधारा के कारण वे लोकसंगीत के क्षेत्र में एक आदर्श कलाकार के रूप में देखे जाते थे। उन्होंने अपने कार्यक्रमों के माध्यम से अनेक मंदिरों, चौपालों और गोशालाओं के निर्माण के लिए चंदा एकत्रित करवाया।

उनके प्रयासों से कई सामाजिक और धार्मिक कार्यों को बल मिला। वे मानते थे कि कलाकार का दायित्व केवल मंच तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उसे समाज के कल्याण में भी योगदान देना चाहिए। उनके अनुसार हरियाणा लोकगायन परंपरा केवल एक कला नहीं, बल्कि सामाजिक परिष्कार का माध्यम है। महाशय पालेराम ने इस परंपरा को जीवित रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे गांव-गांव जाकर कार्यक्रम करते थे और लोगों को अपनी संस्कृति से जोड़ते थे। महाशय पालेराम ने लोक गायकी के माध्यम से न केवल मनोरंजन किया बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक संदेशों को भी जन-जन तक पहुंचाया। उनके द्वारा गाई गई अनेक रागनियां जैसे- हे मानव शुभ कर्म कर्या कर, तेरी काशीजी का रूल, गंगाजी तेरे खेत मैं, तेरी महारानी कै बेटा होग्या, बादल झुकरे बिज्जल पाटैं, साधु सैं घरबारी कोन्या, गिण कै दे लिए बोल, सिर मैं भड़क आंख मैं पाणी, सारी नगरी हे मां मेरी सो रही री- उस दौर की भांति आज भी हरियाणवी लोक संगीत प्रेमियों के बीच उतनी ही लोकप्रिय हैं। उन्होंने आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से भी हरियाणा की लोककला को व्यापक पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनके गाए गीतों के दौर ने हरियाणवी संगीत के प्रसार को एक नई दिशा और गति प्रदान की थी।

लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी।

उन्होंने एक लोकगायक के रूप में 15,000 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति दी। लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी। इस पुरस्कार ने उनके योगदान को और अधिक प्रतिष्ठा प्रदान की। "हंसना-हंसाना ही जीवन है" फलसफे के पैरोकार महाशय पालेराम 24 मई 2023 को सदा के लिए हरिचरणों में लीन हो गए। उनका जाना केवल एक व्यक्ति का अवसान नहीं था, बल्कि एक युग का अंत था। उनके साथ हरियाणवी लोकगायकी की एक सशक्त आवाज मौन हो गई। किंतु आज भी हरियाणा सहित उत्तर भारत के अनेक राज्यों के गांवों की चौपालों, मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों में जब उनके भजन-रागनियों का उल्लेख होता है, तो लोग श्रद्धा और गर्व के साथ उनका नाम लेते हैं। उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन शैली श्रोताओं के दिलों में आज भी जीवित है। उनके भजन-रागनी सदैव लोगों की स्मृतियों में रचे-बसे रहेंगे।

लोकप्रियता अक्सर कलाकार को अहंकार की ओर ले जाती है, लेकिन पालेराम का व्यक्तित्व इससे परे था। वे सरल, विनम्र और सहज स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी वाणी में मधुरता थी और व्यवहार में अपनापन। उनके सुर, उनकी शैली, उनकी सादगी और उनका व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने हरियाणा की लोकसंस्कृति को जो ऊंचाई दी, वह सदैव इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वर्तमान में महाशय पालेराम की इस गौरवशाली एवं समृद्ध सांगीतिक परंपरा को उनके शिष्य नरेन्द्र खरकरामजी, राजेश हाथी, अमित रोहणा, मनदीप मलिक लाख, महेंद्र छारा, धर्मबीर लोवा और सुनील कुमार हलालपुर आदि पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। वे अपने पूज्य गुरुजी की सादगी, सुरों की मधुरता और लोकसंस्कृति के प्रति समर्पित भाव को आत्मसात करते हुए रागनी गायन की उस अमूल्य धरोहर को निरंतर जीवंत बनाए हुए हैं। इस प्रकार वे न केवल अपने गुरुजी की स्मृतियों को सजीव रखे हुए हैं, बल्कि हरियाणवी लोकसंगीत की उस प्रतिष्ठित परंपरा को भी नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

व्यंग्य

पूजा गुप्ता

तड़के का फड़का

आजकल बड़ा ट्रेंड चला है इंस्टाग्राम और यूट्यूब में। फलाने -ढिकाने के चैनल चल पड़े हैं। 'बिना तेल-मसाले के कैसे पकौड़े बनायें', 'सिर्फ दो चीजों से कैसे टेस्टी नाश्ता बनायें' वगैरह-वगैरह। लहसुन के दाम में सुरसा सी महंगाई, इनके बिना भोजन जैसे 'भैरो बाबा का भंडारा।' दावे भी अजब-गजब हैं इन चैनल वालियों के। एक आंटी अपने एक वीडियो में दावा कर रही थी कि 'बिना बेले पूड़िया कैसे तलें!' ये सुनकर दिमाग चकरा गया।

एक दीदी तो एक ग्लास दूध से आधा किलो बर्फी बनाने की बात कर रही थी। मतलब मिठाइयों की दुनिया में इससे बड़ी क्रांति हो ही नहीं सकती थी। एक वीडियो वाली दीदी ने तो हद ही कर दी। 'बिना पनीर के कैसे पनीर की सब्जी बनायें।' मतलब इस दीदी के आगे पीसी सरकार भी फेल। मैंने भी दीदी को पदवी दे ही डाली, 'रसोई के रंग, मंथरा दीदी के संग।' एक दिन एक अनजान नंबर से फोन आया कि कृपया लाइक और सब्सक्राइब करें हमारा फूड चैनल.. ! 'स्वादलोलुप कक्की का चौका।'

उसके तुरन्त बाद उसी नंबर से फोन आया तो पता चला कि गांव की 'गप्पी काकी' ने यह चैनल बनाया है। ये वही 'गप्पी काकी' हैं जिनके गप्पे के चलते सास उन्हें सिखाते-सिखाते परलोक सिधार गयीं लेकिन रोटी गोल बेलना नहीं सिखा पायीं। इससे बढ़िया तो घर के तड़के की बात अलग है। जो एक बूंद सरसों के तेल में साबूत लाल मिर्च जलाती है अम्मा, और खंसवा-खंसवा कर हमारी अंतड़ियां मुंह के रास्ते निकलवा देती है। उसके अलौकिक तड़के के सामने सब कुछ फेल ही है। सब कुछ देखने-सुनने के बाद यही निष्कर्ष निकला कि सचमुच 'टीवी वाली दीदी, आंटी की थाली से बेहतर अपनी 'अम्मा की गाली और थाली' ही बेहतर है।

कविता

मनजीत सिंह

अपणा कर्म अपणे आगे

जैसी करणी वैसी भरनी, ये जग का साचा फेरा,
आज बोया सै जो तू, कल काटेगा वो ढेरा,
झूठ की चादर ओढ़ ले चाहे, साच रहै ना हारा,
समय आवे जब हिसाब का, खुल ज्या सारा पसारा।

जीते जी जो बूंद ना दे, प्यासे नै इक घूंट,
मरणे पाछे भोग धरावै, करै दिखावे लूट,
मां-बाप नै तज कै बैठा, जग मैं बनै सयाणा,
ओही बालक कल देखिये, तेरै तै मुँह फेर जाणा।

सगे-संबंधी हाल ना पूछें, जब तक साँस चलै,
दुख की घड़ी मैं दूर खड़े, ना कोई पास मिलै,
मरणे पाछे रोवण लागें, करैं आँसू का नाटक,
मन मैं रत्ती भर दुख ना, बस दिखावे का झटका।

गाँव-गली मैं नाम कमावै, ऊँची-ऊँची बात,
भीतर सै खोखला होवै, झूठी उसकी जात,
कीकर बो कै आम की आस, कैसी ये अंधियाणी,
जैसी धरती वैसा फल दे, ये प्रकृति की कहानी।

कहै मन का साचा दरपन, कर्मां तै मत भाग,
आज नहीं तो काल सही, मिले कर्म का भाग,
तेर-मेर का झगड़ा छोड़ दे, सबका लेखा-जोखा,
ऊपर बैठा देख रह्या सै, ना कोई उसका धोखा।

हर घर की अजब कहानी, हर जीव का अलग फेरा,
पर न्याय की डोरी मजबूत सै, मनजीत ना टूटे ये घेरा,
जैसी करणी वैसी भरनी, मान ले बात सयाणी,
कर्म बिना ना छूटे कोई, यही सै सच्ची बाणी।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

शासन

15 अगस्त 1857 को भीषण युद्ध में कई क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए, अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए

खरखौदा में भी लड़ा गया था अंग्रेजों से रक्त रंजित युद्ध

इतिहास

यशपाल गुलिया

वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान हरियाणा क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय युद्ध लड़े गए थे। जैसे सिरसा जिले के ओढा कस्बा और वैरिका गांव, हिसार में मंगाली गांव और बल्ला गांव में, रोहतक, नारनौल व मेवात क्षेत्र में युद्ध लड़े गए।

उसी अवधि में सोनीपत के कस्बे खरखौदा में भी 15 अगस्त 1857 को एक रक्त रंजित युद्ध हुआ था। यह पंजाब कवैलरी नामक बटालियन के बागी रिसलदार बिसारत अली के नेतृत्व में लड़ा गया था। संग्राम के दौरान अंग्रेजों की विशाल सेना दिल्ली की रिज पर डेरा डाले हुए थी। अंग्रेज सेना दिल्ली पर फिर से अधिकार प्राप्त करने के लिए चार मास तक प्रयास करती रही थी। उस मुख्य अंग्रेज सेना को हरियाणा की तरफ से पीछे से आक्रमण होने का खतरा बना रहा था, जिसके लिए अंग्रेज बार-बार दिल्ली को रिज से सैनिक टुकडी भेजकर सेनानियों पर आक्रमण करते थे। उसी क्रम में दिल्ली रिज पर स्थित अंग्रेजों ने खरखौदा में एक सेना भेजी थी। दरअसल, उनको समाचार मिला था कि प्रथम पंजाब कवैलरी के बहुत से बागी घुड़सवार खरखौदा में इकट्ठे हो चुके हैं। तब अंग्रेजों ने दिल्ली से विलियम हड़सन के नेतृत्व में एक उपयुक्त सेना 14 अगस्त 1857 को भेजी। अंग्रेजों द्वारा उस संकलित सेना में 25 सैनिक जीन्द राजा के थे। सेनानियों ने भी उपयुक्त तैयारी कर ली थी, जिनका नेतृत्व बिसारत अली नामक रांघड़ कर रहा था। उसने आसपास के क्षेत्र हसनगढ़ आदि के सहजातीय रांघड़ युवाओं को संगठित कर लिया था। इसी क्रम में रोहतक के किले में बाबर खां रांघड़ के नेतृत्व में सेनानियों की एक सेना इकट्ठी हो गई थी। हालांकि, सभी के संगठित होकर दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना पर पीछे से आक्रमण करने की उनकी योजना क्रियान्वित होने से पहले ही अंग्रेजों ने खरखौदा में अपनी सेना भेज दी। इस प्रकार बिसारत अली की सेना व हडसन अंग्रेज की सेना के मध्य 15 अगस्त 1857 को एक भीषण युद्ध हुआ। इसमें बिसारत अली सहित अनेक क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए तथा अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए। हडसन अंग्रेज को विजयश्री मिली तथा 16 अगस्त को उसकी सेना रोहतक की ओर कूच कर गई। खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था। उसके बाद दो विक्टोरिया क्रॉस नारनौल की सराय में लड़े गए युद्ध में दिए गए थे। इसको कुछ लेखकों ने केवल नसीबपुर का युद्ध लिखा है, जबकि वास्तव में वह युद्ध हुस्ना वाला बाग नारनौल शहर व सराय बालमुकुन्द के अहाते में भी लड़ा गया था। सराय के समीप ही अंग्रेज कमान्डर जेरारड की गोली लगने से मृत्यु हुई थी। खरखौदा युद्ध के बाद 26-27 अगस्त को नजफगढ़ में भी एक भीषण युद्ध हुआ था, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उपरोक्त युद्धों का वर्णन विद्यार्थियों की पाठ्यपुस्तकों में शामिल नहीं किया गया, जबकि ऐतिहासिक 1857 के संग्राम को गदर के नाम से ज्यादा प्रचारित किया गया है। लेखक ने (हरियाणा के अज्ञात युद्ध) नामक अपनी पुस्तक में सभी मुद्दों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया है।

सोनीपत जिले के खरखौदा कस्बे में 15 अगस्त 1857 को हुए भीषण युद्ध के दौरान अंग्रेज सेना से भिड़ते क्रान्तिकारी। (सांकेतिक चित्र)

खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था।

प्रकृति का चितेरा कलाकार है अमन यादव

चित्रकार

डा. ओमप्रकाश कादयान

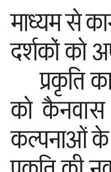

जब हम बाग-बगीचों में जाते हैं तो एक से बढ़कर एक सुन्दर पेड़-पौधों, फूलों, पत्तों को देखकर आकर्षित होते हैं। यात्राओं पर जाते हैं तो पहाड़ों, जंगलों, वादियों, नदी, झरनों, झीलों, रंगीन पक्षियों को देखकर प्रफुल्लित हो जाते हैं। कुदरत का ये वो आकर्षण होता है जो सबको आकर्षित किए बिना नहीं रहता। आम आदमी ये नजारे देखकर आल्हादित हो जाता है तो एक छायाकार प्रकृति के उस सौन्दर्य को स्थाई बनाने के लिए अपने कैमरे में कैद कर लेता है। एक कवि-लेखक अपनी रचनाओं में शब्दों के माध्यम से ढालने की कोशिश करता है, तो एक कुशल चित्रकार रंगों व ब्रुश के माध्यम से कागज या कैनवास पर चित्रित करके प्रकृति की भांति दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

प्रकृति का चितेरा दक्ष कलाकार जब किसी भी सुंदर दृश्य को कैनवास पर बनाता है तो यथार्थ के साथ-साथ उसमें कल्पनाओं के भी रंग भरकर उसे अधिक मनोहारी बना देता है। प्रकृति की नकल करना इतना आसान नहीं है, किन्तु अनुभवी व रंगों से खेलने वाला कुशल चित्रकार ये कमाल कर देता है। हमारे ही बीच में कुछ कलाकार हैं जो चमत्कारी ढंग से प्रकृति के दिव्य दृश्यों को सजीव-से बना डालते हैं। ऐसे एक कलाकार का नाम है-अमन कुमार यादव।

रेवाड़ी जिले के मुण्डिया खेड़ा गांव में मोहनलाल यादव व सरदारी देवी के घर जन्मा अमन यादव आज कला क्षेत्र का उभरता नाम है। अमन को प्रकृति तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत, ग्रामीणांचल से काफी लगाव है। यही कारण है कि इनके चित्रों के अधिकतर विषय भी यही हैं। युवा चित्रकार अमन के चित्रों में प्रकृति के विभिन्न रूप देखने को मिलते हैं। बहुत से चित्रों में हरी घास के मैदान, लहलहाती फसलें, चहकती-आकर्षित करती सुंदर वादियां, सदाबहार जंगल, देवदार-चीड़ अन्य पहाड़ी दरखतों, झाड़ियों, जड़ी-बूटियों से लदे पहाड़, उससे ऊपर ग्लेशियरों से ढकी चोटियां, चोटियों पर मण्डराते, उमड़ते-घुमड़ते मेघों के समूह, कुछ चित्रों में रंगीन पेड़ों की कतारें, पहाड़ों के बोलते से लगते पत्थर, कहीं बरसात का भीगा मौसम, नभ-मण्डल पर उड़ते पंछियों की कतारें, संध्याकाल में सूर्य की लालिमा दृश्यों को देती स्वर्णिम आभा, सोने के रंग में तब्दील होते ग्लेशियर, ये सब दृश्य इनके चित्रों का हिस्सा हैं। अमन ने अपने चित्रों में हवा को गति, नदियों को वेग, झरनों को संगीत देने का प्रयास किया है। अमन के कुछ चित्रों में तो इतना आकर्षण भरा है कि स्वप्न-लोक-सा लगता है। चित्रकार ने भारतीय पक्षियों की सुंदरता भी कैनवास पर चित्रित की है। इनकी पेंटिंग दर्शकों से सीधा संवाद करती प्रतीत होती हैं। युवा चित्रकार अमन यादव को प्रकृति के साथ-साथ अपनी संस्कृति, गांव-देहात, जन-जीवन, खेत-क्यार, ग्रामीण रीति-रिवाजों से भी विशेष लगाव है। इन्होंने अपने चित्रों में पनघट परम्परा, कुएं-जोहड़, काम करती, पानी भरकर लाती महिलाएं, किसान की संघर्ष गाथा को भी स्थान दिया है। इसके साथ-साथ प्राचीन कलात्मक इमारतें, मंदिर, देवी-देवताओं के चित्र बनाए हैं। हरियाणा में चौपालें, तालाब, छतरियां, कुएं, हवेलियां, किले तथा यहां की लोककला समृद्ध रही है, ये इन्होंने चित्रों के माध्यम से बताने का प्रयास किया है। ये पोट्रेट भी सुंदर बना लेते हैं। कलाकार प्रकृति, संस्कृति के चितेरे के साथ-साथ संवेदनशील प्रवृत्ति के हैं। अमन वैसे तो हर तरह के रंगों को प्रयोग दक्षता पूर्वक कर लेते हैं, पर ये अक्रैलिक ऑयल रंगों का प्रयोग अधिक करते हैं। अमन से ये पूछने पर कि पेंटिंग की शुरूआत कैसे हुई? इसके जवाब में अमन ने बताया कि शुरुआती दौर में उन्होंने गुरु अजीत सिंह तथा प्रताप सिंह रंगीला से प्रेरित होकर सजावटी प्राकृतिक तरीके से ब्रुश चलाना सीखा। फिर मैंने खूब अभ्यास किया और अच्छी पेंटिंग बनती गई। 15 जनवरी 1979 को जन्मे अमन बीएफए की पढ़ाई करने के बाद पेंटिंग करने में जुट गए। इन्होंने गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिए 1391.74 लम्बी पेंटिंग की। 9 मार्च 2019 को भिवानी में आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 13-14 अप्रैल 2019 को रेवाड़ी में आयोजित राष्ट्रीय कला कार्यशाला व रैंप शो में सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार जीता। एक सितम्बर 2016 में 'आरएएस रंग आर्टस' द्वारा आयोजित गांधी आर्ट गैलरी, नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी व सह प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 24 नवम्बर 2018 को रेवाड़ी में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान' प्राप्त किया।

ये मिले पुरस्कार और सम्मान

अमन ने राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बेहतर प्रदर्शन किया। इन्हें अनेक जगह सम्मानित किया गया। गिनीज बुक्स ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड पेंटिंग-पीपल आफ मेरठ में इनका नाम शामिल किया गया। इन्हें कला निधि पुरस्कार, शोभा सिंह पुरस्कार, यादव गौरव पुरस्कार, कला रत्न पुरस्कार तथा अचीवमेंट अवार्ड सहित कई सम्मान मिले।

खानापूर्ति : वार्ड 18 में पुराने नगर पालिका भवन में एरिया सभा करने के नहीं करवाए इंतजाम

एरिया सभा में बैठने की भी नहीं करवाई व्यवस्था, मायूस होकर लौटे बुजुर्ग

गंदगी व अव्यवस्था को देखकर भड़के वार्ड पार्षद जयपाल सिंह बांगड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नगर परिषद द्वारा वार्ड स्तर पर लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए चलाई जा रही एरिया सभाओं में धरातल पर कोई कार्य नहीं हो रहा। अधिकारियों द्वारा केवल खानापूर्ति किए जाने का आरोप वार्ड के लोगों द्वारा लगाया है। रविवार को शहर के वार्ड 18 के संबंध में पुराने नगर पालिका भवन में एरिया सभा का आयोजन किया जाना था। निर्धारित समय पर नगर परिषद से दो अधिकारी व वार्ड के लोगों के साथ वार्ड पार्षद जयपाल सिंह बांगड़ नगर पालिका भवन पहुंचे तो वहां अव्यवस्थाओं का माहौल था। वहां न तो किसी अधिकारी के बैठने की व्यवस्था थी और न ही किसी व्यक्ति अथवा जनप्रतिनिधि के बैठने की। इस भवन में जहां होली पर खेला गया रंग बिखरा पड़ा था। वहीं भवन के अंदर दो ई-रिक्शा व अन्य सामान पड़ा था। ऐसे में पार्षद जयपाल सिंह बांगड़ ने कहा कि जब अधिकारियों को मामूल था कि यहां एरिया सभा का आयोजन किया जाना है तो यहां पर बेहतर व्यवस्था बनाई जानी चाहिए थी। उन्होंने बाकायदा इस संबंध में पूर्व में सूचित कर स्थान को इंगित भी किया था।

इसके बावजूद किसी भी कर्मचारी की ड्यूटी इस एरिया सभा को सफल बनाने के संबंध नहीं लगाई गई। ऐसे में वार्ड के लोग निराश मन से अपने-अपने घरों को लौटने लगे।

झज्जर। एरियासभा के लिए पुराने नगर पालिका भवन में उपस्थित पार्षद एवं वार्डवासी। फोटो : हरिभूमि

वृद्धावस्था व विधवा पेंशन के लिए गुहार लगाई

बुजुर्ग महिला चम्पा देवी ने बताया कि वह केवल वृद्धावस्था पेंशन पर ही निर्भर है। पेंशन पिछले कई माह से रुकी हुई है। वह अपनी समस्या को लेकर बड़ी मुश्किल से यहां पहुंची है लेकिन अब यहां कोई नहीं है। उसे अधिक देर तक खड़े रहने में भी परेशानी आ रही है। यहां बैठने की व्यवस्था भी नहीं है। रेखा देवी ने बताया कि उनकी विधवा पेंशन तीन माह से कटी हुई है। कृष्णा देवी ने बताया कि उसकी विधवा पेंशन हैं जो पिछले माह से नहीं मिली। जब वे इस संबंध में बैंक अधिकारियों से मिलने पहुंची तो वे आधार कार्ड, फैमिली आईडी और उम्र का प्रमाण मांगने लगे। कृष्णा देवी ने कहा कि जब वह विधवा पेंशन ले रही है तो इसमें उम्र के प्रमाण की क्या आवश्यकता है। उसके पास उसके पति का मृत्यु प्रमाण पत्र है। यही समस्या बताने के लिए वह यहां पहुंची थी लेकिन अब कोई अधिकारी नहीं है। इनके अलावा नरेश कुमार भी अपनी पेंशन संबंधी समस्या लेकर वहां पहुंचे। लोगों ने कहा कि नगर परिषद को चाहिए कि था कि सभाओं के आयोजन के लिए पहले से उचित व्यवस्था करती। इसके अलावा समाज कल्याण विभाग व खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को शामिल किया जाना चाहिए ताकि राशन कार्ड कटने व पेंशन कटने संबंधी मामले सीधे तौर पर उनके संज्ञान में डाले जा सके।

जेईई मेंस के सफल विद्यार्थी सम्मानित

झज्जर। अतिथियों व शिक्षकों के साथ उपस्थित होनहार विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आरपीएस स्कूल कोसली में जेईई मेन्स के सफल विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में 28वीं बटालियन आईटीबीपी जाटूसाना के कमांडेंट अखिल जैन, उनकी पत्नी मीनल जैन व डिप्टी कमांडेंट विजेंद्र ने विशेष रूप से शिरकत करते हुए होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को तिलक लगाकर और पगड़ी पहनाकर सम्मान दिया गया। कमांडेंट अखिल जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास बहुत जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में और भी बड़ी सफलताएं हासिल करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन पवित्रा राव, सीईओ मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव, विद्यालय के अध्यक्ष श्रीभगवान यादव, निदेशक हंसराज यादव, प्राचार्या अंजू यादव सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

स्कॉलरशिप टेस्ट में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। टेस्ट में जिलेभर से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्कूल प्राचार्या निधि कादियान ने टेस्ट का परिणाम सभी अभिभावकों तक पहुंचाया जाएगा। स्कॉलर टेस्ट में श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर बच्चों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि उनके संस्थान का उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इस मौके पर स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया व प्रबंधक केएम डागर ने अभिभावकों का स्कूल पहुंचने पर स्वागत किया तथा प्रतिभावान विद्यार्थियों की सराहना की।

झज्जर। स्कॉलरशिप टेस्ट देते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

संदिग्ध परिस्थितियों में किसान की खेत में मौत

झज्जर। पोस्टमार्टम के दौरान अस्पताल परिसर में कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव अमादलपुर में खेतों में काम करते समय एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 63 वर्षीय सुलतान सिंह पुत्र मूला सिंह के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी पवन कुमार ने बताया कि सुलतान शनिवार को खेतों में काम करने के लिए गया था। जब वह देर तक घर नहीं लौटा तो परिजन उसे देखने के लिए खेतों में पहुंचे। उन्होंने देखा कि सुलतान खेत में बेसुध अवस्था में पड़ा हुआ था।

जब उसे उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध परिजनों के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

23 को साम्राज्यवाद विरोधी दिवस मनाएंगे किसान

- ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर ने गांव मांडोठी में जनसंपर्क अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर के कार्यकर्ताओं ने रविवार को गांव मांडोठी में जनसंपर्क अभियान के दौरान पर्चे बांटे। जन जागरण अभियान के तहत हुई जनसभा की अध्यक्षता वयोवृद्ध किसान रघबीर सिंह ने की। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष हंसराज राणा ने कहा कि भारत अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार समझौता किसानों के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने बताया कि 23 मार्च को भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस को साम्राज्यवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। संगठन के प्रदेश सचिव जयकरण मांडौठी ने कहा कि हमारे देश के किसानों, खेत मजदूरों और अन्य भूमिहीन ग्रामीणों के हालात बहुत ही नाजुक हैं। आमदनी के मुकाबले लागत ज्यादा है। स्वामीनाथन आयोग के अनुसार फसलों के पूरे दाम नहीं मिल पाते और फसल बर्बाद होने पर पर्याप्त मुआवजा नहीं मिलता। उन्होंने खेती की लागत बढ़ाने वाला बीज बिल वापस लेने, गरीब परिवारों से बिजली छीनने वाले बिजली बिल तथा प्रीपेड स्मार्ट मीटर योजना को रद्द करने, कृषि मार्केटिंग की राष्ट्रीय नीति निरस्त करने, किसान मज़दूरों को कर्ज मुक्त करने और 5 हजार रुपये मासिक बुढ़ापा पेंशन देने की मांग की।

बहादुरगढ़। सभा के बाद नारेबाजी करते किसान व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

निजीकरण की नीति से बच्चों की पढ़ाई महंगी हो गई

प्रदेश कमेटी सदस्य जिले सिंह तथा रणबीर सिंह ने बताया कि खेतों में लगे सोलर पैनलों से तार, मोटर और प्लेटें चोरी के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। कहीं जलभराव है तो कहीं सिंचाई के लिए पानी नहीं है। जिला कमेटी सदस्य रामकिशन तथा सतबीर सिंह ने कहा कि निजीकरण की नीति से बच्चों की पढ़ाई बहुत महंगी हो गई है। रसोई गैस के लिए लोग मारे-मारे फिर रहे हैं। सभा में भारत, सोमबीर, प्रवीण पहलवान, बिट्टू दलाल, गोविंदा, बलजीत सिंह, रामकुमार, देवेंद्र सिंह, कपूर सिंह, जयपाल, रामचंद, बाले, सतीश, बिजेंद्र, कर्ण सिंह, सुखबीर, भोलू, सुरेंद्र, ओमप्रकाश, श्रीओम, शमशेर सिंह व कृष्ण कुमार आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

सोनू अखाड़े में दंगल 22 मार्च को

बहादुरगढ़। द्रोणाचार्य अवॉर्डी स्व. गुरु कैप्टन चांदरूप की स्मृति में आगामी 22 मार्च को बाईपास स्थित हिंद केसरी सोनू अखाड़ा में ईनामी दंगल का आयोजन किया जा रहा है। दंगल में कई नामी व प्रतिभाशाली पहलवान जोर आजमाइश करेंगे। हरियाणा केसरी खिताब 85 किलो से अधिक भारवर्ग में पहला इनाम एक लाख रुपये व गुर्ज दिया जाएगा। दूसरा इनाम 51 हजार तो तीसरा इनाम 21 हजार रुपये रहेगा। अभिमन्यु खिताब 70 किलोग्राम भारवर्ग के लिए पहला इनाम 31 हजार, दूसरा इनाम 15 हजार और तीसरा इनाम 7500 रुपये तय किया गया है। हरियाणा गौरव 60 किलोग्राम भारवर्ग के विजेता को 21 हजार का पहला इनाम दिया जाएगा। जबकि दूसरा 11 हजार तथा तीसरा पांच हजार रुपये रहेगा। हिंद केसरी सोनू पहलवान व अर्जुन अवॉर्डी धर्मेंद्र दलाल की ओर से यह आयोजन किया जा रहा है। धर्मेंद्र दलाल ने कहा कि 22 मार्च की सुबह सात से आठ बजे तक वजन होगा। वजन में किसी तरह की छूट नहीं होगी। इसके बाद 9 बजे मुकाबले आरंभ होंगे।

बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने का सुरक्षित माध्यम है टीकाकरण : सीएमओ

झज्जर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के उपलक्ष्य में लोगों को टीकाकरण के महत्व से अवगत कराने के लिए विशेष संदेश जारी किया गया है। सीएमओ डॉक्टर मंजू कादियान ने बताया कि टीकाकरण बच्चों को कई गंभीर बीमारियों से बचाने का सबसे सुरक्षित और प्रभावी माध्यम है। जिले में वर्ष 2025-26 के दौरान नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत सराहनीय कार्य हुआ है तथा जिले में पूर्ण टीकाकरण कवरेज लगभग 96 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया गया है। स्वास्थ्य विभाग का प्रयास है कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे और छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों का समय पर टीकाकरण अवश्य करवाएं।

डॉ. मंजू कादियान

भगवान परशुराम भवन का शिलान्यास पांच अप्रैल को

झज्जर। शहर के सेक्टर 9 में भगवान परशुराम भवन का निर्माण किया जाएगा। आगामी पांच अप्रैल को होने वाले शिलान्यास समारोह में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा भवन की आधारशिला रखी जाएगी। यह जानकारी देते हुए ब्राह्मण महासभा के प्रधान राज देवरखाना ने बताया कि कार्यक्रम के संबंध रविवार को स्थानीय ब्राह्मण धर्मशाला में एक मीटिंग का आयोजन भी किया गया। मीटिंग का संचालन ब्राह्मण महासभा के महासचिव पंडित संत सुरेहती ने किया। कार्यक्रम के लिए सभी गांवों में निमंत्रण दिया जाएगा व सभी दानवीरों को सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर नगर पार्षद मिथुन शर्मा, रविंद्र कौशिक, बालकिशन, धर्मबीर, आशाराम कौशिक, आजाद दीवान, ईश्वर, जयपाल, राजेंद्र, हेमचंद्र, ढीलू, रामकरण, मनीष नंबरदार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। मीटिंग में सभा सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रधान राज देवरखाना और संत सुरेहती। फोटो : हरिभूमि

सामान खरीदते समय दुकानदार से पक्का बिल अवश्य लें

- विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर जिले भर में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में जानकारी देते हुए विभागीय अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

रविवार को जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर जिले भर में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। सुरक्षित उत्पाद, आत्मविश्वासी उपभोक्ता थीम के तहत आयोजित इस अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा बाजार में होने वाली धोखाधड़ी से बचाव के बारे में जानकारी देना रहा। जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक राजेश्वर मुदगिल ने बताया कि जिला मुख्यालय के साथ-साथ ब्लॉक स्तर पर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभाग की टीमों ने बेरी, मातनहेल, बादली और बहादुरगढ़ के सार्वजनिक स्थानों तथा अनाज मंडियों में जागरूकता शिविरों का आयोजन कर लोगों को उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने उपभोक्ताओं को सलाह देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का सामान खरीदते समय दुकानदार से पक्का बिल अवश्य लें, क्योंकि बिल उपभोक्ता का सबसे महत्वपूर्ण अधिकार और शिकायत के समय सबसे मजबूत प्रमाण होता है।

भदाना में हुई घर-घर कूड़ा उठान कार्य की शुरुआत

झज्जर। कूड़ा उठान गाड़ी को रवाना करते हुए ग्राम सरपंच पवन। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। क्षेत्र के गांव भदाना में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत रविवार से घर-घर कूड़ा उठान कार्य शुरू किया गया है। ग्राम सरपंच पवन ने कूड़ा उठान कार्य में लगी ट्रैक्टर-ट्राली को रवाना किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर स्वच्छ रहे व कूड़े से जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए अब यह गाड़ी गांव के हर घर से कूड़ा उठाने का कार्य करेगी। ग्रामवासी भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा, हिंदी प्रोफेसर नीरज कुमार व मनीष नंबरदार ने ग्राम पंचायत द्वारा की गई इस पहल का स्वागत करते हुए स्वयं भी साफ-सफाई का ध्यान रखने व अन्य लोगों को जागरूक करने की बात कही। इस मौके पर पंच धर्मेंद्र, राकेश, धर्मपाल, राधाकृष्ण, संगीता, कामनी, अंजू रानी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

हरियाणा राज्य भारत स्काउट एवं गाइड, चंडीगढ़ द्वारा पंचकूला में सम्मान समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय जंबूरी के विजेताओं को किया पुरस्कृत

- स्टेट गेट, कैंप क्राफ्ट व स्किल-ओ-रामा में प्रथम स्थान पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हरियाणा राज्य भारत स्काउट एवं गाइड, चंडीगढ़ द्वारा रविवार को पंचकूला में सम्मान समारोह का आयोजन कर 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी, लखनऊ व छत्तीसगढ़ में आयोजित पहली रोवर, रेंजर्स की राष्ट्रीय जंबूरी के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समारोह में राज्य आयुक्त डॉक्टर मनीराम शर्मा द्वारा जिले के डीओसी स्काउट डॉक्टर राजेंद्र व डीओसी गाइड मैनावंती को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डॉक्टर राजेंद्र ने बताया कि जिले की टीम द्वारा जंबूरियों में सराहनीय प्रदर्शन करते हुए स्टेट गेट, कैंप क्राफ्ट व स्किल-ओ-रामा में प्रथम स्थान हासिल किया था। इन जंबूरियों में भागीदारी करने वालों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भंभेवा, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बहादुरगढ़, राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल बहादुरगढ़, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दादरी तोए, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदानी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माछरौली, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माजरा-डी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गिजाडौद, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिलाना, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दुजाना, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मातनहेल के अलावा ओपन ग्रुप के विद्यार्थी शामिल रहे। इस उपलब्धि पर जिला मुख्य आयुक्त स्काउट एवं जिला शिक्षा अधिकारी रतींद्र सिंह, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राजबाला, डिप्टी डीईओ रूपेंद्र नांदल, देवेंद्र कुमार, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झज्जर। जिले की ओर से पुरस्कार ग्रहण करते हुए डॉ. राजेंद्र व शिक्षिका मैनावंती।

लंबित मांगों को लेकर एनएचएम कर्मियों ने सौंपा सीएम को ज्ञापन

- जॉब सिक्योरिटी और नियमितीकरण की मांग रखी, महंगाई भत्ता व वार्षिक वेतन वृद्धि मांगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

अखिल भारतीय एनएचएम कर्मचारी संघ की जिला इकाई ने लंबित मांगों को लेकर सीएम नायब सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपकर उनसे मांगों के समाधान की अपील की। एनएचएम कर्मचारी संदीप कुमार जांगड़ा ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारी कई वर्षों से आमजन की सेवा में दिन-रात कार्य कर रहे हैं। कोविड काल सहित विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन इसके बावजूद उनकी कई मांगें आज भी लंबित हैं। उनकी मुख्य मांगों में महंगाई भत्ता, वार्षिक वेतन वृद्धि, सातवें वेतन आयोग का लाभ, जॉब सिक्योरिटी तथा नियमितीकरण जैसी मांगें शामिल हैं। ज्ञापन के माध्यम से सीएम से अनुरोध किया कि वे उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र समाधान करने का प्रयास करें। ज्ञापन लेने के बाद सीएम ने सकारात्मक आश्वासन भी दिया।

झज्जर। सीएम नायब सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपते हुए एनएचएम कर्मचारी संदीप जांगड़ा।

खबर संक्षेप

21 से शुरू होंगे नॉर्थ जोन के तैराकी मुकाबले

बहादुरगढ़। भारतीय तैराकी संघ द्वारा खेलो इंडिया अस्मिता वूमेंस स्वीमिंग लीग का आयोजन पूरे देश को चार जोन में बांटकर 21 मार्च से किया जा रहा है। भारतीय तैराकी संघ के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने बताया कि नॉर्थ जोन में शामिल हरियाणा के साथ पंजाब, दिल्ली, हिमाचल, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, चंडीगढ़ और लद्दाख के मुकाबले बहादुरगढ़ की एचएल सिटी स्थित चैम्पियंस एक्वेटिक एकेडमी में होंगे। दो दिनों की इस प्रतियोगिता में पहले चार स्थानों पर आने वाले तैराक 12 से 14 अप्रैल तक अहमदाबाद में होने वाली नेशनल अस्मिता वूमेंस लीग में भाग लेंगे। विजेता तैराकों को साई की तरफ से 10 हजार, 8 हजार और 5 हजार की इनामी राशि दी जाएगी।

राम नवमी पर 26 को निकलेगी ध्वजा यात्रा

बहादुरगढ़। श्री राम नवमी के अवसर पर शहर में चतुर्थ ध्वजा यात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा। सचिन कुमार और हितेश राठी ने बताया कि श्री बालाजी मंदिर के महंत गणेश बाबा के पावन सानिध्य में यह यात्रा वीरवार 26 मार्च को प्रातः साढ़े 8 बजे किला मोहल्ला के दुर्गा मंदिर से प्रारम्भ होगी। यात्रा गांधी चौक, सुभाष चौक, मेन बाजार, कमेटी चौक और शिव चौक से होते हुए नजफगढ़ रोड के श्री बालाजी मंदिर पर पहुंचेगी।

अनाज मंडी से व्यक्ति लापता, मामला दर्ज

बहादुरगढ़। शहर की अनाज मंडी से एक व्यक्ति लापता हो गया। काफी तलाश के बाद नहीं मिला तो परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। लापता व्यक्ति की पहचान रमेश के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रमेश को उनकी बेटी प्रीति ने दुकान पर जाने के लिए अनाज मंडी में छोड़ा था। लेकिन वह न तो दुकान पर गए और न ही घर लौटे। इसके बाद परिजनों ने तलाश शुरू की लेकिन नहीं मिले। उधर, लाइनपार थाना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

वार्षिकोत्सव में आर्य समाज के प्रचार-प्रसार पर दिया बल

बच्चों को शारीरिक रूप से मजबूत और चरित्रवान बनाएं : डॉ. अर्चना

वक्ताओं ने किया पाश्चात्य संस्कृति की बजाय भारतीय संस्कृति को अपनाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर के वैदिक कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आर्य समाज द्वारा आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव रविवार को संपन्न हो गया। दूसरे दिन की शुरुआत भी हवन कार्यक्रम के साथ हुई। ब्रह्मा के रूप में ब्रह्मचारी इंद्रजीत ने मंत्रोच्चारण के साथ आहुति डलवाई।

इसके उपरांत आयोजित भजन व प्रवचन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर अर्चना प्रिय आर्य ने कहा कि हम अपने बच्चों को शारीरिक रूप से मजबूत और चरित्रवान बनाएं। उन्होंने कहा कि सब सुधारों का सुधार नारी शिक्षा में ही निहित है। इसलिए बेटियों को भी शिक्षित और संस्कारवान बनाएं। उन्होंने कहा कि भारतीय नारी को पाश्चात्य संस्कृति की ओर झुकने की बजाय अपनी संस्कृति और साहस जैसे आदर्शों को अपनाना चाहिए। समाज और परिवार में संस्कार बहुत जरूरी हैं। देश और समाज की दिशा बदलने में युवाओं का बड़ा योगदान हो सकता है।

झज्जर। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षाविद् वीके नरुला को सम्मानित करते हुए आचार्य विजयपाल व कार्यक्रम के दौरान अपनी बात रखते हुए आर्यजन।

इन्हें किया सम्मानित

इस दौरान जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना, नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी, जिला व्यापार मंडल के प्रधान केशव सिंघल, आदित्य धनखड़, मनीष बंसल, सनातन धर्म शिक्षण संस्थानों के प्रधान प्रकाशचंद गर्ग, आर्य समाज के संरक्षक जयप्रकाश राठी, वीके नरूला, महाशय रतिराम, सूर्य प्रकाश आर्य आदि को समाज की ओर से विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

मधुर भजनों की प्रस्तुति ने मन मोहा

कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुकुल के अधिष्ठाता आचार्य विजयपाल ने की। कार्यक्रम के दूसरे चरण में आर्य भजनोपदेशक विवेक पथिक ने एक के बाद एक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। ओम प्रकाश शास्त्री ने वैदिक मंत्रों में निहित वचनों की उदाहरण सहित व्याख्या करते हुए जीवन में आर्य समाज के नियमों को अपनाने का आह्वान किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सीए वीरेंद्र गोयल, संजय गोयल, आर्य समाज के प्रधान राजीव आर्य, महामंत्री लाला प्रकाशवीर, डॉक्टर गौतम आर्य, कोषाध्यक्ष रमेश सैनी, जितेंद्र बरानी, ओम प्रकाश, दलीप सैनी, प्रदीप शास्त्री, सुमित्रा देवी, सत्प्रकाश सैनी, आचार्य शक्तकृतु, अंकित सैनी, डॉक्टर शंकर ग्रोवर, सत्यदेव आर्य, विनीत आर्य, विजय यादव सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को किया सम्मानित

झज्जर। एचडी स्कूल साल्हावास में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दूसरी से नौवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। एचडी ग्रुप के निदेशक रमेश गुलिया ने बताया कि विद्यार्थियों को एक लाख रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। प्रतियोगिता परिणामों में नौवीं कक्षा में हिमांशी ने प्रथम, रणविजय ने द्वितीय व नेहार और तेजस ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया जिन्हें प्रथम पुरस्कार के रूप में 81सौ रुपये, द्वितीय पुरस्कार के लिए 51 सौ रुपये और तृतीय पुरस्कार के लिए 31 सौ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। छठी से आठवीं कक्षा तक की प्रतियोगिता में अर्नव, कविश और चार्वी ने अपनी -अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान हासिल करने वाले जतिन, पराग व सृष्टि तथा तृतीय स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों में खुशी, विवेक और यशवी शामिल रहें। दूसरी से पांचवीं कक्षा तक के वर्ग में रिया, अंकिता, वंश, लवेश को प्रथम, मितिका, देवेश, यशवी और श्यामा को द्वितीय तथा गरिमा, निकिता, आर्यन, नक्ष और कीर्ति को तृतीय स्थान हासिल करने पर पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के सचिव विशाल नेहरा व हेमंत गुलिया ने सामान्य ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विजेता विद्यार्थियों को के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

49 लोगों ने दी उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत रविवार को सोलधा गांव में स्थित शहीद रामफल राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में साक्षरता परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल 49 परीक्षार्थियों ने भाग लेकर अपनी शैक्षणिक क्षमता का मूल्यांकन कराया।

परीक्षा के बाद सभी प्रतिभागियों को स्कूल की ओर से नामांकन बढ़ाने और अन्य लोगों को साक्षरता अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से पम्फलेट वितरित किए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठाकर शिक्षा से जुड़ सकें। प्रिंसिपल सुशीला सांगवान ने बताया कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 15 वर्ष से

बहादुरगढ़। सोलधा में परीक्षा देते परीक्षार्थी। फोटो : हरिभूमि

अधिक आयु के लोगों को बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मक ज्ञान और जीवन कौशल प्रदान करना है।

प्राचार्या सुशीला सांगवान के अनुसार साक्षरता कार्यक्रम के तहत शिक्षार्थियों को प्रशिक्षण देने के बाद उनका मूल्यांकन परीक्षा के माध्यम से किया गया। जिसमें सफल होने पर उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान दिया गया। पहले इस योजना को पहले प्रौढ़ शिक्षा के नाम से जाना जाता था, जिसे अब नया स्वरूप देते हुए उल्लास नाम दिया गया है।

बहादुरगढ़। क्रिकेट रॉलिंग ट्रॉफी विजेता टीम रॉयल ग्रीन ट्रॉफी के साथ। फोटो : हरिभूमि

रॉयल ग्रीन ने जीती तीसरी क्रिकेट रॉलिंग ट्रॉफी

बहादुरगढ़। एडीएस प्रीमियर लीग की क्रिकेट रॉलिंग ट्रॉफी का तीसरा सीजन रॉयल ग्रीन टीम ने जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में रॉयल ग्रीन ने इनएट द राइजिंग को हराया है। पहले खेलते हुए इनएट द राइजिंग ने निर्धारित ओवरों में 62 रन बनाए। रॉयल ग्रीन टीम ने महज 4 ओवर में 66 रन बनाकर फाइनल और सीरीज जीत ली। क्रिकेट रोलिंग ट्रॉफी के तीसरे सीजन का दूसरा खिताब रॉयल ग्रीन ने जीत लिया। मैन ऑफ द मैच 10 बॉल पर 28 रन बनाने वाले सन्नी को चुना गया। सीरीज में आठ टीमों ने भाग लिया। सिद्दीपुर लोवा कलां गांव में स्व. श्रीचंद मान के फार्म पर स्थित क्रिकेट ग्राउंड में ग्रुप स्टेज पर 4 मैच खेले गए। प्रतियोगिता में कलैंटर रैब्लस, रॉयल ब्लैक रेंजरस, मूनवॉक ब्लास्टर, रॉयल ग्रीन, जैनरेशन यूनिकॉर्न, बोहो टाईटंस, इनएट द राईजिंग और वुडनोट वॉरियर्स ने भाग लिया। पहला सीजन रॉयल ग्रीन और दूसरा सीजन इनएट द राईजिंग ने जीता था। इनएट द राइजिंग के कप्तान विराट मान ने आठ विकेट हासिल करने के साथ ही बल्ले से रन भी बनाए। विराट मान को मैन ऑफ द सीरीज और बैस्ट बॉलर का खिताब दिया गया।

- **विराट मान चुने गए मैन ऑफ द सीरीज और बेस्ट बॉलर**

गुरुग्राम में हुए रनाथॉन में दौड़े बीआरजी के 130 धावक

1600 मीटर दौड़ में सुनक्ष ने प्रथम और पक्ष ने द्वितीय स्थान हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गुरुग्राम में रविवार को आयोजित रनाथॉन हजारों धावकों के साथ बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के 130 धावकों ने भी हिस्सा लिया। सुनक्ष सांगवान ने 1600 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान और पक्ष सांगवान ने द्वितीय स्थान हासिल किया। सूरज सिंह बिष्ट ने 5 किलोमीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया। हेमंत ने भी 16 किलोमीटर दौड़ में तृतीय स्थान हासिल किया।

बीआरजी के संचालक दीपक छिल्लर ने बताया कि समूह के धावक देश के विभिन्न शहरों में आयोजित मैराथन और रनिंग इवेंट्स में नियमित रूप से भाग लेते हैं और हर बार शानदार प्रदर्शन करते हुए बहादुरगढ़ का नाम रोशन करते हैं। दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में हुई एसबीआई दिल्ली ग्रीन हाफ मैराथन में भी बीआरजी की कृष्णा राणा ने 60 प्लस आयु वर्ग की 10 किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल किया।

इस दौरान दीपक छिल्लर और किरण छिल्लर ने धावकों का उत्साहवर्धन किया। नोएडा में हुए

बहादुरगढ़। दौड़ पूरी होने के बाद मंच पर बीआरजी के धावक। फोटो : हरिभूमि

मैराथन इवेंट में बीआरजी के शमशेर सिंह समेत अन्य धावकों ने शानदार उपस्थिति दर्ज करवाई। इवेंट में अनन्या, देवांश, डिशु, युग, आदित्य, आकाश, अभिषेक, अनिल राठी, अंजुम, अंशुल, अतुल, अवधेश, ब्रह्मप्रकाश मान, दीपक, दीपांशी, गौरव, गुलाब सिंह, जितेंद्र, क्षितिज, कुणाल, लक्ष्मी, मेजर कुलवंत, मनेंद्र, मनमोहन, मनोज, नवीन, नवनीत, नीरज, नीलोत्पल, प्रमोद, पुलकित, रचित, राजकुमार खत्री, रजत, रमेश, रंजन, रविंद्र, रितेश, संजय, शक्ति राणा, सोमदेव मलिक, उज्जवल, वैभव, विकास राठी, अभय, अमचत, अमित, अंकित राणा, अंकित, अशोक, अथर्व, अवनि, दीपक, देवेंद्र, दिनेश, दिव्या, गौरव आदि ने दौड़ लगाई।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। सांसद रणदीप सुरजेवाला का स्वागत करते दीपक देशवाल व अन्य।

गैस एजेंसियों के बाहर लगी लाइनें सरकारी विफलता का सबूत : सुरजेवाला

बहादुरगढ़। रविवार को बादली पहुंचे राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि एलपीजी गैस की किल्लत ने आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। इससे पहले किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष दीपक देशवाल ने उनका जोरदार स्वागत किया। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि गैस एजेंसियों के बाहर लगी लंबी लाइनों ने सरकारी झूठ का पर्दाफाश कर दिया है। यह भाजपा सरकार की सबसे बड़ी नाकामी है। उन्होंने दीपक देशवाल समेत अन्य नेताओं से आह्वान किया कि वे युवाओं को कांग्रेस से जोड़ें और संगठन को मजबूत करें। इस मौके पर जयकिशन देशवाल, मास्टर जयओम, देवेंद्र दलाल छारा, विकास सिलोठी, बंटी पहलवान, रवि खरब, यशदीप, राकेश व ओमपाल आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। इंडिया गेट पर लिया गया छात्राओं का समूह चित्र। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली भ्रमण पर गईं जसौरखेड़ी कॉलेज की छात्राएं

बहादुरगढ़। जसौरखेड़ी के राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राओं के लिए एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। ट्रिप इंचार्ज डॉ. पूनम तथा डॉ. सुनील ने बताया कि इस दौरान छात्राओं ने दिल्ली के अमृत उद्यान, इंडिया गेट तथा राजघाट का भ्रमण किया। अमृत उद्यान में छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के आकर्षक फूलों और प्राकृतिक सौंदर्य का अवलोकन किया। इसके पश्चात छात्राओं ने इंडिया गेट पर शहीद सैनिकों के सम्मान में बने स्मारक का अवलोकन किया। छात्राओं ने राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। भ्रमण के दौरान उनके साथ कॉलेज कर्मचारी पुष्पा भी मौजूद रही।

बहादुरगढ़। गोल के लिए बॉल के पीछे दौड़ते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

मेहंदीपुर डाबोदा व नरू खेड़ी ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

बहादुरगढ़। गांव मेहंदीपुर डाबोदा में अंडर-17 फुटबॉल लीग के तहत रविवार को शानदार मुकाबले देखने को मिले। बेहतर प्रदर्शन के बल पर मेहंदीपुर डाबोदा, नरू खेड़ी आदि की टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। गांव के काफी लोगों ने मुकाबलों का लुत्फ उठाया। मेरा गांव मेरा देश संस्था व समस्त ग्राम वासियों की ओर से यह आयोजन किया गया है। इसमें दिल्ली, रोहतक, झज्जर, सोनीपत, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ आदि की कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं। शनिवार को इस लीग की शुरुआत हुई। पहले दिन आठ मुकाबले हुए। मेहंदीपुर डाबोदा, नरू खेड़ी, सोनीपत, बहादुरगढ़, भापड़ोदा सहित आठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंची। रविवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले हुए। पहले क्वार्टर फाइनल में सोनीपत को 2-0 के अंतर से हराकर नरू खेड़ी की टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं मेहंदीपुर डाबोदा ने भी इतने ही अंदर से भापड़ोदा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। कोच प्रदीप ने बताया कि देर शाम तक निर्णायक मुकाबले होंगे। विजेता टीम को 31 तो उपविजेता को 21 हजार रुपये का ईनाम दिया जाएगा। खेल प्रतिभाओं को निखारने के मकसद से यह आयोजन किया गया है।

बहादुरगढ़। कबड्डी खिलाड़ियों के साथ विधायक राजेश जून के प्रतिनिधि।

सर्कल कबड्डी में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

बहादुरगढ़। भगत सिंह युवा कबड्डी क्लब द्वारा डाबोदा कलां-मेहंदीपुर के नए खेल ग्राउंड में पांचवीं सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। विधायक राजेश जून की चंडीगढ़ में व्यस्तता के कारण उनके प्रतिनिधि के रूप में प्रदीप तहलान बिट्टू, जयभगवान गुलिया, जगबीर दलाल, राकेश छिकारा आदि ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। इस कबड्डी टूर्नामेंट में 20 से ज्यादा कबड्डी टीम हिस्सा ले रही हैं। प्रदीप तहलान ने विधायक की तरफ से कबड्डी खिलाड़ियों के लिए आयोजन कमेटी को 15 हजार रुपये सौंपे। इसके अलावा लाइनपार में हुए भंडारा कार्यक्रम में भी विधायक के प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

पौत्री के जन्म पर 100 पौधे लगाकर दिया बेटी बचाओ का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बिजली निगम में उपमंडल अभियंता के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े मुकेश शर्मा ने अपने घर पौत्री के जन्म की खुशी में 100 से अधिक पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। उन्होंने कन्या जन्म पर कुआं पूजन समेत सभी रस्में निभाकर खुशियां मनाईं।

- **सेवानिवृत्त एसडीओ मुकेश शर्मा ने पर्यावरण बचाने का किया आह्वान**

भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा के पर्यावरण संयोजक सेवानिवृत्त एसडीओ मुकेश शर्मा ने अपनी पौत्री आयरा के जन्म पर कुआं पूजन किया। इससे पहले उन्होंने क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट के सदस्यों के साथ मिलकर रत्न टाटा फोरेस्ट में 50 से अधिक पौधे लगाए। इसके अलावा आदिपुरुष फाउंडेशन के सदस्यों के साथ मिलकर पार्क में 50 से अधिक पौधे रोपे। मुकेश शर्मा ने कहा कि पौधे लगाने के साथ ही वे इनकी नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करेंगे। बता दें कि अमनदीप भारद्वाज की पत्नी शिल्पा ने पहली संतान के रूप में कन्या को जन्म दिया।

बहादुरगढ़। रत्न टाटा फोरेस्ट में पौधे लगाते मुकेश शर्मा व अन्य।

इन्होंने दिया बेटी को आशीर्वाद

पूर्व विधायक राजेंद्र जून, पूर्व विधायक नरेश कौशिक, पूर्व चेयरमैन कर्मबीर राठी, पूर्व चेयरमैन रवि खत्री, चेयरमैन विनोद कौशिक, मास्टर सुशील बराही, एक्सईएन अजय सिंहरोहा, पूर्व पार्षद वजीर राठी, प्रदीप रेढू, सतीश शर्मा, पवन जैन, नरेश भारद्वाज, प्रदीप रेढू, युद्धवीर भारद्वाज, पार्षद सत्यप्रकाश छिकारा, राजेश तंवर, वजीर दहिया, सोमदत्त शर्मा, मुनीष जैन, जयबीर भारद्वाज, सुनील बंसल, एडवोकेट चांद राठी और चंचल गर्ग आदि ने नवजात बेटी को आशीर्वाद दिया।

दिल्ली-एनसीआर शहरी क्षेत्र की लाइफ लाइन बनी मेट्रो, बहादुरगढ़ में भी हजारों लोगों को मिल रहा लाभ

मेट्रो ने 2025 में 235.8 करोड़ यात्रियों को सफर करवाकर बनाया रिकॉर्ड

मेट्रो के आसौदा और सांपला तक विस्तार किए जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

मेट्रो रेल दिल्ली-एनसीआर शहरी क्षेत्र की लाइफ लाइन बन गई है। दिनों दिन मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। बीते वर्ष 2025 में मेट्रो ने यात्रियों की संख्या का नया रिकॉर्ड बनाया है। डीएमआरसी के मुताबिक, वर्ष 2025 में कुल 235.8 करोड़ पैसेंजर जर्नी का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है।

बहादुरगढ़ में भी डीएमआरसी के तीन स्टेशन हैं। बड़ी संख्या में रोजाना यहां के लोग पढ़ाई, व्यवसाय व नौकरी के लिए मेट्रो के जरिये दिल्ली जाते हैं। जबकि दिल्ली के भी काफी लोग मेट्रो के जरिये यहां कामकाज के सिलसिले में आ रहे हैं।

न केवल बहादुरगढ़ बल्कि रोहतक व अन्य क्षेत्रों के लोग भी यहां से दिल्ली के लिए मेट्रो पकड़ते हैं। अब लोगों द्वारा लगातार मेट्रो के आसौदा व सांपला तक विस्तार किए जाने

बहादुरगढ़। ग्रीन कॉरिडोर पर दौड़ रही मेट्रो में मौजूद यात्रियों की भीड़। फोटो : हरिभूमि

की मांग उठाई जा रही है। हाल ही में पिंक लाइन और मैजेंटा लाइन पर नए सेक्शन शुरू किए गए हैं। इसके साथ ही देश में मेट्रो नेटवर्क की कुल लंबाई 1143 किलोमीटर से अधिक हो गई है, जो 26 शहरों में संचालित हो रहा है।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बना

भारत का यह नेटवर्क दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन चुका है। दिल्ली-एनसीआर में यह टवर्क लगभग 416 किलोमीटर लंबा है और इसमें 303 स्टेशन शामिल हैं। दिल्ली मेट्रो में फिलहाल 343 ट्रेनें (2368 कोच) संचालित हो रही हैं। रोजाना करीब 4508 ट्रेन ट्रिप चलती हैं और लगभग 1.40 लाख ट्रेन किलोमीटर का संचालन होता है। मेट्रो की समयपालन दर 99.9 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, 2024 में 223.5 करोड़ यात्राएं दर्ज की गई थीं, जबकि 2025 में यह बढ़कर 235.8 करोड़ हो गईं। पिंक लाइन और मैजेंटा लाइन पर कुल 80 ड्राइवरलेस ट्रेनें संचालित हो रही हैं। मेट्रो नेटवर्क को और मजबूत बनाने के लिए फेज-4 के कॉरिडोर का निर्माण जारी है। इसके तहत 52 नई ट्रेनें खरीदी जा रही हैं, जिनमें से 18 ट्रेनें पहले ही प्राप्त हो चुकी हैं।